ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐओ३म् ॐ ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐॐ जय बाबा की ॐॐ श्याम बाबा ॐॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! ॐ

उल्लंघ्यय सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवहि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्विमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 108 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦ बृहस्पतिवार ♦23 जनवरी 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

छोटी सरकार के लिए बरसे वोट

प्रदेश भर के 100 निकायों में कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ मतदान, अंतिम समय तक चला वोटरों को रिझाने का दौर

देहरादून/रुद्रपुर/हल्द्वानी(उद संवाददाता)। प्रदेश के 100 नगर निकायों में छोटी सरकार चुनने कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हुआ। प्रदेश भर में दोपहर तक लगभग 42 प्रतिशत मतदान हुआ चुका था। प्रदेश में कुल 1,516 मतसदान केंद्र और 3,394 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। इनमें 592 संवेदनशील और 412 अतिसंवेदनशील मतदेय स्थल शामिल हैं। मतदान को लेकर सुबह से ही पोलिंग बूथों पर लंबी लाइनें लगने लगीं। सुबह कोहरे के चलते मतदान धीमा हुआ। दिन चढ़ने के साथ ही मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। युवाओं से लेकर बुजुर्ग और दिव्यांग भी पूरे जोश के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे और लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़ चढ़कर भारीदारी निभाई।प्रदेश भर में मतदान केंद्रों पर 18 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। चुनाव को देखते हुए पुलिस ने प्रदेश में 185 चेकिंग बैरियर स्थापित किए गए हैं। इनमें 117 बैरियरों पर सीसीटीवी

कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। 11 नगर निगमों में मेयर के लिए 72 प्रत्याशी मैदान में हैं जबकि 89 नगर पालिका, नगर पंचायतों में अध्यक्ष के 445 प्रत्याशी हैं। सभी निगम, पालिका, पंचायतों में वार्ड सदस्य/पार्षद के कुल 4,888 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस बार खास तौर पर बैलेट पेपर के रंगों में बदलाव किया गया है। मेयर प्रत्याशियों का बैलेट नीले, पार्षद और नगर पालिका व नगर पंचायत में वार्ड सदस्यों के सफेद बैलेट पेपर रखे गए हैं। **रूद्रपुर**–निकाय चुनाव के लिए आज हुए मतदान में मतदाताओं में भारी उत्साह दिखाई दिया। सभी मतदान केन्द्रों में प्रात: से ही मतदाताओं की लम्बी लाईनें लगनी शुरू हो गई थी। जिन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद कर दिया। जो आगामी 25 जनवरी को होने वाली मतगणना के बाद खुलेगा। अनेक मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची में नाम न होने पर लोगों ने जमकर हंगामा भी किया। वहीं एक मतदान केन्द्रों के बाहर एक पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा मतदान पर्ची के साथ पार्टी की प्रचार सामग्री बांटने पर लोगों ने भारी रोष जताया। रूद्रपुर के मेयर व 40 वार्डों के पार्षद पदों के लिए प्रात: 8 बजे से सभी मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रारम्भ हुआ। हजारों की संख्या में मतदाता मतदान शुरू होने से काफी पहले ही ठंड के बावजूद अपने मतदान केन्द्रों में मतदान पर्ची के साथ लाईन लगाकर खड़े हो गये थे। मतदान के प्रति उनमें खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। नगर के ट्रांजिट कैम्प, आवास विकास, रविन्द्र नगर, रम्पुरा, भूत बंगला, फुलसुंगा फलसुंगी, पहाड़गंज, बाजार, आदर्श इन्द्रा बंगाली कालोनी, आदर्श कालोनी, नगर निगम, ओमैक्स कालोनी, जगतपुरा, संजय नगर, खेड़ा, दूधिया नगर, सिंह कालोनी, भूरारानी आदि क्षेत्रों में बनाये गये मतदान केन्द्रों में हजारों की संख्या में मतदाताओं ने अपनी पसंद के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। सभी मतदान केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। मतदान केन्द्रों में मोबाईल का प्रयोग प्रतिबंधित किया गया था। दोपहर तक करीब 42 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन भदौरिया तथा एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इससे पहले जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने ओमेक्स के पास फूल मंडी बूथ 156 में किया मतदान किया। वहीं भाजपा प्रत्याशी विकास शर्मा ने बगवाड़ा स्थित बूथ पर पत्नी के साथ पहुंचकर मतदान किया। कांग्रेस मेयर प्रत्याशी मोहन खेड़ा ने भूरारानी स्थित बूथ पर मतदान किया। वहीं विधायक शिव अरोरा ने वार्ड न 31,मलिक कॉलोनी के आनद पब्लिक स्कूल मतदान केंद्र (शेष पृष्ठ सात पर)

भूतबंगला में लाठीचार्ज,कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी घायल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मतदान के दौरान नगर निगम के वार्ड 20 भूतबगला स्थित पोलिंग बूथ पर फर्जी मतदान कराने को लेकर बखेड़ा हो गया। इस दौरान पुलिस ने हंगामा कर रहे कुछ लोगों पर लाठी चार्ज कर दिया जिससे वहां अफरा तफरी मच गयी। लाठीचार्ज में कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी परवेज कुरैशी घायल हो गये। उन्हें जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाये है। उधर विधायक शिव अरोरा का कहना था कि फर्जी वोटिंग के साथ-साथ आपराधिक किस्म के आये लोग बूथ कैप्चर करने के प्रयास में थे। जिन्हे पुलिस द्वारा खदेड़ दिया गया। पुलिस की कार्रवाई में वार्ड 20 के कांग्रेस

प्रत्याशी परवेश कुरैशी के घायल होने की सूचना पर पूर्व मंत्री एवं किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने अस्पताल पहुंचकर घायल का हाल जाना और भाजपा पर गंभीर आरोप भी लगाये। जानकारी के अनुसार सुबह करीब दस बजे भूतबंगला वार्ड नं. 20 में मतदान चल रहा था। इसी दौरान वहां किसी बात को लेकर हंगामा हो गया। मौके पर कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी परवेज कुरैशी जब पुलिस से उलझा तो पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया जिससे वहां अफरा तफरी मच गयी। घायल परवेज कुरैशी को जिला अस्पताल भर्ती कराया। परवेज कुरैशी का कहना है कि वह अपने परिचितों को वोट डलवाने के लिए बूथ पर आये थे, इसी दौरान पुलिस ने उन पर हमला कर दिया। वही हंगामे की सूचना पर विधायक शिव अरोरा भी मौके पर पहुंच गये। उन्होंने कहा कि कुछ लोग फर्जी वोटिंग कराने की कोशिश कर रहे हैं इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने प्रशासन से कहा कि जो भी फर्जी वोट डालने की कोशिश कर रहा है उस पर सख्त कार्रवाई करें। शिव अरोरा ने कहा कि अपराधिक किस्म के लोग यहां पर बूथ को कैप्चर करने की कोशिश कर रहे थे और फर्जी (शेष पृष्ठ सात पर)

व्यापारी नेता को हिरासत में लिया

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत पर पुलिस ने ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र के एक वार्ड से लघु उद्योग व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजीव गुप्ता को हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र

के वार्ड नं. 10 में पोलिंग बूथ के बाहर आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत मिलने पर पुलिस ने मौके से संजीय गुप्ता को हिरासत में ले लिया। मामले में संजीव गुप्ता का कहना था कि भाजपा के कुछ लोग बूथ के पास लिफाफे बांट रहे थे, जिसमें भाजपा प्रत्याशी का फोटो और चुनाव चिन्ह छपा (शेष पृष्ठ सात पर)

प्रत्याशी का बैनर उतार रहे युवक की करेंट से मौत

देहरादून (उद संवाददाता)।जौलीग्रांट में निकाय चुनाव के दौरान हादसा हो गया। दुर्गा चौक भानियावाला के पास छत से एक प्रत्याशी का बैनर उतारते हुए एक युवक 33 केवी लाइन की चपेट में आ गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, घटना सुबह दस बजे करीब हुई। युवक छत की दूसरी मंजिल से चुनावी बैनर उतारने गया। छत का एक कोना 33 लाइन को छू रहा था। जैसे ही वह बैनर उतारने लगा एक तेज धमाका हुआ और युवक छत पर ही गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर काफी भीड़ लग गई। लोगों ने एंबुलेंस को फोन किया। युवक के शव को सीएचसी डोईवाला ले जाया गया। चौकी इंचार्ज सुमित चौधरी ने कहा कि 33 केवी लाइन की चपेट में आने से अठुरवाला के युवक की मौत हुई है। जिसका नाम मनोज पंवार उम्र 26 बताया गया है।

डीएम और एसएसपी ने परखीं व्यवस्थायें

रूद्रपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने फूल मंडी बूथ नम्बर 156 में अपने मत का प्रयोग किया। उसके उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने फूल मंडी बूथ संख्या 155, 156, 157, 158 व लालपुर नगर निकाय के किसान इंटर कालेज लालपुर के बूथ संख्या-1,2,3,4 का स्थलीय निरीक्षण कर मतदान का जायजा लिया। उन्होने

रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर को बूथ पर लगी लाईनो को व्यवस्थित करने के साथ ही दिव्यांग, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं व छोटे बच्चों को लेकर आयी महिलाओं को प्राथमिकता से मतदान कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार दिनेश कुटौला, रिटर्निंग आफिसर लालपुर सुशील कुमार, सहायक रिटर्निंग आफिसर विशाल प्रसाद, जोनल मजिस्ट्रेट आदि मौजूद थे। वहीं एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने भी कई मतदान केन्द्रों का(शेष पृष्ठ सात पर)

वोटरों को पैसे बांटने पर हंगामा

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र के वार्ड नंबर दस में बुधवार देर रात वोटरों को पैसे बांटने को लेकर हंगामा हो गया। लोगों ने एक व्यक्ति को मौके पर पकड़ लिया। जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांजिट कैम्प की एक बस्ती में बीती रात कुछ लोग वोटरों को पैसे बांट रहे थे, जिस पर लोगों ने हंगामा कर दिया। पैसे बांट रहे एक व्यक्ति को लोगों न पकड़ लिया। लोगों (शेष पृष्ठ सात पर)

दिलचस्प हुआ मुकाबला, निर्दलीय बिगाड़ सकते हैं खेल

कई नगर पालिकाओं में निर्दलीय प्रत्याशियों ने भाजपा और कांग्रेस के माथे पर चिंता की लकीरें खींची, 25 जनवरी को खुलेगा भाग्य का पिटारा

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के निकाय चुनाव में इस बार भी निर्दलीय प्रत्याशी भाजपा और कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकते हैं। कई ऐसे निकाय हैं, जिनमें दिलचस्प मुकाबला होने जा रहा है। उत्तराखंड में कुल 11 नगर निगमों में मेयर के लिए 72 प्रत्याशी मैदान में हैं जबकि 89 नगर पालिका, नगर पंचायतों में अध्यक्ष के 445 प्रत्याशी हैं। सभी निगम, पालिका, पंचायतों में वार्ड सदस्य/पार्षद के कुल 4,888 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वैसे तो 25 को प्रत्याशियों के मन की बात मतपेटी से निकलकर सामने आएगी लेकिन दोनों दल के नेता अपने-अपने हिसाब से जीत के दावे कर रहे हैं। नगर निगम रुड़की, श्रीनगर, ऋषिकेश ,बागेश्वर समेत कई नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों में भी इस बार मुकाबला दिलचस्प है। नगर पालिका मसूरी, नगर पालिका बाड़ाहाट उत्तरकाशी समेत कई नगर पालिकाओं में निर्दलीय प्रत्याशियों ने भाजपा-कांग्रेस के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। कुमाऊं के भी कई निकायों में मुकाबला काफी रोचक होने जा रहा है। 2018 के चुनाव की बात करें तो 82 नगर निकायों में से 24 निकायों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। दो नगर निगमों कोटद्वार व ऋषिकेश में दूसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी थे। 39 में से 15 नगर पालिकाओं में निर्दलीय प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे थे। 38 नगर पंचायतों में से आठ में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे थे। पिरान कलियर, घनसाली, महुआ डाबरा हरिपुरा, देवप्रयाग, टिहरी ऐसे निकाय थे, जिनमें भाजपा-कांग्रेस नहीं बल्कि निर्दलीय प्रत्याशियों के बीच हार-जीत हुई थी। पिछली बार की तुलना में इस बार न सिर्फ मतदाताओं की संख्या बढ़ी है बल्कि निकायों की संख्या भी बढ़ गई है। इस बार कुल 11 नगर निगम हो गए हैं। वहीं पिछली बार की तुलना में तकरीबन साढ़े छह लाख मतदाता भी बढ़ गए हैं। अल्मोड़ा, श्रीनगर और पिथौरागढ़ नगर निगमों में पहली बार चुनाव हो रहे हैं। पहले ये नगर पालिकाएं हुआ करती थीं। वहीं राज्य में कुल 1,516 मतदान केंद्र और 3,394 मतदेय स्थल हैं। इनमें 592 संवेदनशील और 412 अतिसंवेदन शील मतदेय स्थल शामिल हैं। वहीं शासन ने चुनाव में शांति बनाए रखने के लिए 18 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। इनमें से 1120 पुलिस कर्मी हैं जबकि पीएसी की 24 कंपनियां, 4300 के करीब होमगार्ड, 2550 पीआरडी जवान और 300 वन कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही क्यूआरटी भी तैनात रहेगी।

सीएम धामी ने दिल्ली में केजरीवाल सरकार पर बोला हमला

करावलनगर में कपिल मिश्रा के समर्थन में की जनसभा

नई दिल्ली (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में विधानसभा क्षेत्र करावल नगर से भाजपा प्रत्याशी श्री कपिल मिश्रा के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि इन विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता को केजरीवाल की आपदा सरकार को जड़ से उखाड़ फेकना है। केजरीवाल सरकार ने पिछले 10 सालों में कई घोटाले किए। कभी शराब घोटाला तो कभी मुहल्ला क्लीनिक, बस और दवा घोटाला तो कभी शीशमहल घोटाले के नाम पर दिल्ली सरकार हमेशा सुर्खियों में छाई रही। घोटाले के नाम पर यहां पर मुख्यमंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों तक को जेल की हवा खानी पड़ी। उन्होंने कहा कि आपदा सरकार ने दिल्ली में 500 स्कूल खोलने का वादा किया था, लेकिन इसके उल्ट हर मुहल्ले में शराब के ठेके खुलवाए गए। मंदिरों तक के पास ठेके खुलवाने में केजरीवाल सरकार को शर्म तक नहीं आई। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को झाड़ू वालों और इनके मौसरे भाई कांग्रेसियों के झांसे में नहीं आना है। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में उन लोगों का समर्थन किया जो फिर से धारा 370 को लागू करना चाहते हैं और अलगाववाद, पत्थरबाजों, आर्तकियों का समर्थन करते हैं। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई आयुष्मान योजना का लाभ इसलिए दिल्ली की जनता को नहीं मिल पा रहा है क्योंकि यहां पर नाकारी और भ्रष्ट सरकार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन सरकार बनने के बाद आपदा सरकार के कार्यों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाएगा और घोटाले बाजों को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बनने के बाद लोगों को आयुष्मान सुविधा का लाभ मिलेगा साथ ही महिलाओं को 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन बढ़ाई जाएगी। अटल कैंटीन के माध्यम से 5 रुपये में पोस्टिग भोजन दिया जाएगा। पीजी तक की फीस माफ भी की जाएगी।मुख्यमंत्री श्री धामी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सैनिक कल्याण के लिए जो कार्य हुए हैं वो कार्य न भूतो न भविष्यति। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष उत्तर पूर्व जिला श्रीमती पूनम चौहान, विधानसभा प्रभारी विधायक श्री नंदकिशोर गुर्जर, सह प्रभारी श्रीमती सारिका जैन, संयोजक श्री यशवंत सिंह रावत, श्री रामू शर्मा, ठाकुर अवधेश सिंह, निगम पार्षद नीता बिष्ट, सतपाल सिंह, सोनी पांडेय, बृजेश सिंह, प्रमोद झा, कालीचरण शर्मा, कुलदीप नैनवाल, राजेशराज, जयदत्त शर्मा, नितिन चौहान समेत कई लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने निकाय चुनाव के दौरान अब तक 89.50 लाख रुपये की शराब पकड़ी

देहरादून। शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए बृहस्पतिवार को 18 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। इनमें 1,120 पुलिस बल, 24 कंपनी पीएसी, 4,352 होमगार्ड, 2,550 पीआरडी जवान और 300 वन कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा चेकिंग बैरियरों पर क्यूआरटी व अन्य पुलिस बल की तैनात रहेगी। बुधवार को चुनाव में पुलिस की अब तक की कार्रवाई के बारे में डीजीपी दीपम सेठ ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 1,516 मतदान केंद्र और 3,394 मतदेय स्थल हैं। इनमें 592 संवेदनशील और 412 अतिसंवेदनशील मतदेय स्थल शामिल हैं। पुलिस की ओर से इन सभी मतदान स्थल का निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। प्रदेश में 185 चेकिंग बैरियर स्थापित किए गए हैं। इनमें 117 बैरियरों पर सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। बाकी बैरियरों पर वीडियो कवरेज की जा रही है। प्रदेशभर में 105 मोबाइल टीम और 109 क्यूआरटी काम कर रही हैं। पुलिस ने निकाय चुनाव के दौरान अब तक 89.50 लाख रुपये की शराब पकड़ी है। इससे संबंधित 591 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 603 तस्कर गिरफ्तार हुए। इस दरम्यान 13 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ भी पकड़े गए। इनमें 209 मुकदमों में 301 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियान चलाकर 11,196 लाइसेंसी शस्त्र जमा कराए। करीब नौ हजार लोगों को मुचलका पाबंद किया गया। 1,255 गैर जमानती वारंटों को अमल कराया गया जबकि 124 फरार अपराधियों को पकड़ा गया। 204 के खिलाफ गुंडा एक्ट में कार्रवाई की गई।

राष्ट्रीय खेलों की व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

देहरादून(उद संवाददाता)। प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री आर के सुधांशु द्वारा 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन हेतु शासन से तैनात नोडल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कई अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में विभिन्न कार्यों की अद्यतन स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान खेल स्थलों की तैयारी, आवास, खान-पान, परिवहन, सुरक्षा और अन्य संबंधित व्यवस्थाओं की प्रगति का गहन मूल्यांकन किया गया।बैठक में उद्घाटन समारोह को भव्य और यादगार बनाने के लिए विशेष चर्चा की गई। अतिथियों की सूची, बैठने की व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियों पर विचार किया गया। इसके अतिरिक्त, परिवहन व्यवस्था को सुचारू और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए भी विस्तृत योजनाएं बनाई गईं।बैठक के दौरान नोडल अधिकारियों ने आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों और चुनौतियों को प्रस्तुत किया। इन पर गहन विचार-विमर्श कर तत्काल समाधान प्रदान किए गए।बैठक में श्री अमित सिन्हा, विशेष प्रमुख सचिव (वी.सी. के माध्यम से), श्री शैलेश बगौली, सचिव गृह, श्री पंकज पांडेय, लोक निर्माण विभाग, श्री रंजीत सिन्हा, सचिव उच्च शिक्षा, श्री विनय शंकर पांडेय, आयुक्त गढ़वाल, निदेशक खेल, जिलाधिकारी देहरादून, एसएसपी देहरादून सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शूटिंग रेंज में स्थापित किए जा रहे हैं 160 टारगेट

देहरादून(उद संवाददाता)। 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में शूटिंग रेंज जल्द ही तैयार हो जाएगी। टारगेट क्षमता के मामले में दिल्ली व भोपाल के बाद देश की तीसरे नंबर की यह शूटिंग रेंज बनने जा रही है। इस शूटिंग रेंज में 160 टारगेट स्थापित किए जा रहे हैं। इस शूटिंग रेंज से उत्तराखण्ड आने वाले दिनों में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग स्पर्धाओं के लिए मजबूत दावेदार बनकर उभर सकता है।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि न सिर्फ शूटिंग, बल्कि अन्य खेलों में भी मजबूत आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से देवभूमि की एक पहचान खेल भूमि के रूप में भी बनेगी। हमारे खिलाड़ी दुनिया में और चमकेंगे। साथ ही, हम बड़ी स्पर्धाओं को आयोजित करने में भी सक्षम साबित होंगे।राष्ट्रीय खेलों में शूटिंग स्पर्धा के मुकाबले महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में होने हैं। दस और 25 मीटर रेंज के 60-60 टारगेट यहां स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि 50 मीटर रेंज के 40 टारगेट हैं। देश भर में सबसे बड़ी शूटिंग रेंज दिल्ली की डॉ. करनी सिंह शूटिंग रेंज और भोपाल की एमपी शूटिंग रेंज है। इनमें दिल्ली की शूटिंग रेंज में हर स्पर्धा के लिए 80-80 टारगेट की क्षमता है, जबकि भोपाल के मामले में टारगेट क्षमता 60-60 है।भारतीय शूटिंग टीम के असिस्टेंट कोच श्री अरूण सिंह के अनुसार देश के तमाम दूसरे स्थानों में शूटिंग रेंज की सुविधाएं तो हैं, लेकिन उनकी क्षमता दिल्ली व भोपाल की तरह नहीं है। अब देहरादून भी शूटिंग रेंज की टारगेट क्षमता के मामले में दिल्ली, भोपाल के बराबर में खड़ा होने जा रहा है। यह स्थिति उत्तराखण्ड के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। तमाम राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाएं उत्तराखण्ड में अब सफलतापूर्वक कराई जा सकती हैं।

ईडी ने की हरक सिंह रावत की 101 बीघा जमीन अटैच

देहरादून(उद संवाददाता)। हाल ही में कांग्रेस नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत का चुनाव प्रचार के दौरान ईडी को बुलाने का वीडियो

वायरल हो रहा था। अब सच में हरक सिंह रावत के पास ईडी पहुंच गई है। ईडी ने हरक सिंह रावत और उनके करीबियों पर कार्रवाई करते हुए कुल 101 बीघा जमीन अटैच कर ली है। इस जमीन की कीमत तकरीबन 70 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ईडी के सूत्रों के अनुसार पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत के करीबी बीरेंद्र सिंह कंडारी और नरेंद्र कुमार वालिया ने हरक सिंह रावत के साथ आपराधिक साजिश करते हुए एक जमीन की दो पॉवर ऑफ अटॉर्नी पंजीकृत कराई। हालांकि, कोर्ट ने संबंधित भूमि के विक्रय विलेख रद्द कर दिए थे। इसके बावजूद इस भूमि को अवैध रूप से हरक सिंह रावत की पत्नी दीप्ति रावत और उनकी करीबी लक्ष्मी राणा को बेचा जाना दिखाया गया। इसी मामले में दिसंबर 2024 में ईडी प्रकरण में हरक सिंह की पत्नी दीप्ति रावत, करीबी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी राणा के साथ ही पुत्र तुषित रावत को पूछताछ के लिए बुला चुकी है। उस दौरान ईडी ने सहसपुर की भूमि को लेकर भी तमाम सवाल किए थे। इस कार्रवाई के बाद ये साफ है कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ही ये संपत्ति जब्त की है। आपको बता दें कि इस भूमि पर दून इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का संचालन किया जाता है। जिसके प्रबंधन हरक सिंह के पुत्र तुषित संभालते हैं। हाल ही में निकाय चुनावों के लिए हरक सिंह रावत का एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसमें वो ईडी का मजाक बनाते हुए उसे बार बार बुला रहे थे। अब ईडी ने उनपर कार्रवाई करते हुए उनकी 101 बीघा जमीन जब्त कर ली है।

पुलिस मुख्यालय में समान नागरिक संहिता विषय पर किया कार्यशाला का आयोजन

देहरादून(उद संवाददाता)। पुलिस मुख्यालय, देहरादून स्थित सभागार में बुध वार को समान नागरिक संहिता विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधि कारियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व पदाधि कारियों द्वारा प्रतिभाग कर अपने-अपने विचार रखे और विभिन्न विधिक बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। कार्यशाला में विभिन्न समुदाय के गणमान्य व्यक्ति द्वारा समान नागरिक संहिता के लागू होने पर उनके अपने सामाजिक अधि कार से जुड़े बिन्दुओं के सम्बन्ध में उत्सुकता के साथ प्रश्न कर परिचर्चा मेंसक्रिय भाग लिया गया। साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे और कानून के बेहतर क्रियान्वयन हेतु उपयोगी सुझाव भी दिए गए। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड श्री दीपम सेठ ने कहा कि सामन नागरिक संहिता के लागू होने से इसके दाण्डिक परिणामों के सापेक्ष पुलिस के क्या कर्तव्य होंगे और लोगों में पंजीकरण की अनिवार्यता, विधिक परिणामों व उनके विधिक अधिकारों पर क्या प्रभाव पड़ेगा और संहिता का सफल क्रियान्वयन कैसे

किया जाएगा इसके सम्बन्ध में भविष्य में भी इस तरह की वर्कशॉप आयोजित किये जाएंगे, ताकि लोगों की शंकायें दूर की जा सके और लोगों को संहिता के सम्बन्ध में जागरुक किया जा सके। श्रीमती निवेदिता कुकरेती, पुलिस उप महानिरीक्षक/ अपर सचिव गृह उत्तराखण्ड शासन ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से समान नागरिक संहिता के विधिक बिन्दुओं- विवाह, विवाह विच्छेद, विल, सहवासी संबंध, के पंजीकरण की अनिवार्यता, व उसकी प्रक्रिया पर विस्तार पूर्वक पर प्रकाश डाला। साथ ही संहिता के विधिक प्रावध ानों के उल्लंघन के दण्ड के बारे में बताया गया। संहिता को लागू करने व उसकी प्रक्रिया के तहत संबंधित पदाधिकारियों के दायित्व व कर्तव्यों के बारे में भी बताया गया।

विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ऑनलाईन और ऑफलाईन दोनों विकल्प उपलब्ध

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड सरकार ने सामाजिक समरसता और व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यूनिफॉर्म सिविल कोड अधिनियम -2024 को लागू करने जा रही है। यह अधिनियम राज्य के सभी निवासियों पर लागू होगा, चाहे वे राज्य के भीतर या बाहर निवास कर रहे हों। हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 342 और 366(25) के तहत अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों तथा भाग XXI के अंतर्गत संरक्षित प्राधि कार/अधिकार-प्राप्त व्यक्तियों व समुदायों पर यह अधिनियम लागू नहीं होगा।इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य विवाह संबंधी कानूनी प्रक्रियाओं को सरल, सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। यह कानून व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए समाज में समरसता और संतुलन बनाए रखने का प्रयास है। विवाह के लिए पात्रता सुनिश्चित की गई है, जिसमें यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष मानसिक रूप से स्वस्थ हों, निषिद्ध संबंधों में न हों, और उनकी आयु पुरुष के लिए 21 वर्ष व महिला के लिए 18 वर्ष हो। इसके साथ ही, किसी का जीवित जीवनसाथी नहीं होना चाहिए।विवाह का पंजीकरण अब 60 दिनों के भीतर अनिवार्य होगा। 26 मार्च 2010 से पहले हुए विवाह, यदि सभी कानूनी योग्यताओं को पूरा करते हैं, तो पंजीकरण करा सकते हैं। यह कदम विवाह प्रक्रिया को कानूनी पहचान देने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध हैं। आवेदन पर निर्णय 15 दिनों में लिया जाना अनिवार्य होगा, और इस समयसीमा के बाद आवेदन स्वत: उच्च अधिकारी को भेजा जाएगा।पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अपील का प्रावध ान है। यदि आवेदन अस्वीकृत होता है, तो व्यक्ति पारदर्शी प्रक्रिया के तहत अपील कर सकता है। मिथ्या जानकारी देने पर दंड का प्रावधान भी किया गया है। पंजीकरण न होने के बावजूद विवाह को अमान्य नहीं माना जाएगा। यह कानून विवाह संबंधी सुरक्षा और सामाजिक स्वीकृति को महत्व देता है, साथ ही पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए कानूनी मान्यता प्रदान करता है। राज्य सरकार विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए महानिबंधक, निबंध क और उप-निबंधकों की नियुक्ति करेगी। ये अधिकारी संबंधित अभिलेखों का संधारण और पंजीकरण प्रक्रिया को सुचारू रूप से सुनिश्चित करेंगे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को किया नमन

रूद्रपुर। मतदान दिवस की व्यस्तता के बीच भाजपा मेयर प्रत्याशी विकास शर्मा ने आज नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर काशीपुर बाइपास रोड स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस युग पुरूष थे, हर भारतीय उनका ऋणी है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन कर अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया। वे एक साहसी और स्वतंत्रता के प्रति अति उत्साहित नेता थे। नेता जी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि था। मातृभूमि को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए उन्होंने अपनी सेना ''आजाद हिंद फौज'' बनाने का रास्ता चुना। सुभाष चंद्र बोस का दिया गया नारा ''तुम मुझे खून दो-मैं तुम्हें आजादी दूंगा'' आज भी देश के हर नागरिक व युवाओं के दिलों पर अंकित है। यह नारा राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता, कर्तव्य और जिम्मेदारी का अहसास कराता है। उनका विचार था कि हमें अपनी राष्ट्रीय रक्षा को ऐसी मजबूत नीव रखनी चाहिए कि भविष्य

में भी हमारी स्वतंत्रता पर कभी भी आंच न आए। नेताजी को साहस और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है इसी लिए केन्द्र की मोदी सरकार के प्रयासों से आज उनके जन्म दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज की युवा पीढ़ी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए ताकि हर बच्चा भारत की आजादी के गौरवपूर्ण इतिहास में नेताजी की भूमिका से अवगत हो सके।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ।।
हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक
ब्राह्मणों द्वारा रुद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ
महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी
यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि
समस्याओं का समाधान
के लिये संपर्क करें :
आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133444

तेज रफ्तार एक्सयूवी ने स्कूटी सवार को रौंदा

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। हल्द्वानी के रामपुर रोड हाईवे पर बुध वार रात सवा आठ बजे तेज रफ्तार एक्सयूवी 500 ने स्कूटी सवार को रौंद दिया। उसके बाद कार हवा में उछली और एक बड़े पेड़ को तोड़ते हुए पलट गई। वाहन की स्टेपनी पेड़ पर लटक गई तो एक पहिया खेल पर जा गिरा। हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई, नाबालिग कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। किशनपुर गुरुद्वारा रामपुर रोड निवासी सागर नेगी (36) अपने घर से स्कूटी से मुख्य मार्ग पर आया और सड़क पार करने लगा। इसी दौरान राधा स्वामी सत्संग परिसर पंचायत घर के मोड़ पर हल्द्वानी की तरफ से 100 से ज्यादा की स्पीड में आ रही एक्सयूवी 500 की चपेट में स्कूटी सवार आ गया। स्कूटी वाहन के अगले हिस्से में फंस गई। चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और लहराती एक्सयूवी में फंसे स्कूटी व उसके सवार को 150 मीटर तक घसीटते ले गया। आगे अचानक से एक्सयूवी उड़ते हुए सोबन सिंह नेगी के जनरल स्टोर की दुकान के सामने लगे पेड़ को तोड़कर पलट गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पेड़ ही जड़ से कटकर झुक गया। वाहन की स्टेपनी पेड़ पर लटक गई। एक पहिया निकलकर खेतों में जा पहुंचा। पलटते ही स्कूटी व इसमें सवार युवक वाहन से 50 मीटर दूर जाकर गिरे। स्कूटी पूरी तरह से पिचक गई थी। ज्यादा खून बहने की वजह से स्कूटी सवार मौके पर तड़पने लगा। कार में एयरबैग खुलने की वजह से नाबालिग चालक बेहोश हो गया। आसपास के लोगों की सूचना के बाद पुलिस पहुंची और दोनों को अस्पताल भेजा। नजदीक ही गांव होने पर सागर के परिवार वाले आए और निजी अस्पताल नीलकंठ ले गए। यहां से रेफर होने पर परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले गए जहां उसकी मौत हो गई। उधर टीपीनगर चौकी प्रभारी जगदीप सिंह ने डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में नाबालिग चालक का प्राथमिक उपचार कराने के बाद उसे हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी हल्द्वानी राजेश यादव ने कहा कि एक युवक की मौत हुई है। वाहन कब्जे में ले लिया और चालक हिरासत में है।

गणतंत्र दिवस परेड में उत्तराखण्ड की झांकी में भाग ले रहे हैं 16 कलाकार

देहरादून(उद संवाददाता)। रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में बुध वार को वभिन्न प्रदेशों एवं मंत्रालयों की झांकी कलाकारों द्वारा प्रेस के सम्मुख अपने-अपने राज्यों की सांस्कृतिक झलक पेश की गयी। इस दौरान उत्तराखण्ड राज्य के कलाकारों द्वारा उत्तराखण्ड की पारंपरिक वेशभूषा में राष्ट्रीय रंगशाला में आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित लोगों द्वारा सराहा गया। सूचना विभाग उत्तराखण्ड के संयुक्त निदेशक एवं नोडल अधिकारी श्री के.एस.चौहान के नेतृत्व में उत्तराखण्ड राज्य से 16 कलाकार गणतंत्र दिवस परेड में उत्तराखण्ड झांकी में भाग ले रहे हैं। गणतंत्र दिवस में कर्तव्य पथ पर उत्तराखण्ड की ओर से प्रदर्शित की जाने वाली झांकी की थीम "सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल" रखा गया है। गणतंत्र दिवस समारोह पर कर्तव्य पथ में उत्तराखण्ड राज्य की झांकी मार्च पास्ट करते हुऐ चतुर्थ स्थान पर देखने को मिलेगी।देवभूमि उत्तराखण्ड राज्य की इस झांकी में राज्य की समृध्द सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुन्दरता एवं साहसिक खेल एवं पर्यटन को दर्शाया गया है। झांकी के अग्र भाग में उत्तराखण्ड की प्रसिद्ध ऐपण कला को बनाते हुए एक पारम्परिक वेशभूषा में महिला को दिखाया गया है। यह ऐपण आर्ट आज विश्वभर में प्रसिद्ध है। यह उत्तराखण्डी महिलाओं द्वारा पूजा कक्षों, घरों के प्रवेश द्वारों के फर्श और दीवारों पर बनायी जाती है। इसको बनाने के लिए चावल का आटा तथा गेरु का उपयोग किया जाता है।झांकी के ट्रेलर पार्ट में उत्तराखण्ड के साहसिक खेलों एवं साहसिक पर्यटन को चित्रित किया गया है, जैसे - नैनीताल और मसूरी में

हिल साइकिलिंग, फूलों की घाटी और केदारकांठा की ट्रैकिंग, ओली में स्नो स्कीइंग तथा ऋषिकेश में योगा, बंजी जम्पिंग, जिप-लाइनिंग एवं रॉक क्लाइम्बिंग की रोमांचकारी गतिविधियों को दर्शाया गया है।उत्तराखण्ड की यह झांकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा साहसिक खेलों एवं साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दर्शायी गयी है।श्री के.एस चौहान ने कहा कि कर्तव्य पथ पर इस बार उत्तराखण्ड की झांकी "सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल" सबके लिये आकर्षण का केन्द्र रहेगी। उन्होंने बताया कि झांकी में उत्तराखंड की पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और एडवेंचर स्पोर्ट्स की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है, हमारा राज्य न केवल अपने आध्यात्मिक और प्राकृतिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यह साहसिक खेलों के क्षेत्र में भी अग्रणी है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और साहसिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए गणतंत्र दिवस की परेड में झांकी के रूप में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्णय से साहसिक खेलों के लिए अवस्थापना सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। राज्य की भौगोलिक स्थिति साहसिक खेलों के अनुकूल है, जिसको देखकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में रोमांच के शौकीन लंबे समय से ट्रैकिंग, राक क्लाईंबिंग, स्कीइंग और रिवर राफ्टिंग के लिए आ रहे हैं।श्री के. एस चौहान ने बताया कि इस माह उत्तराखण्ड में दिनांक 28 जनवरी से प्रारम्भ हो रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हम सभी के लिए एक गौरव का क्षण है। उत्तराखण्ड राज्य की झांकी का निर्माण स्मार्ट ग्राफ आर्ट एडवर्टाइजिंग प्रा0लि0 के निदेशक श्री सिद्धेश्वर कानूगा द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड के लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जायेगा।

जिसे मिलेगा मातृशक्ति का 'प्यार' उसी का होगा 'बेड़ा पार'

निकाय चुनाव में निर्णायक होगा महिलाओं का वोटिंग पैटर्न, घर के बाद अब शहर संवारने के लिए उठेंगे मातृशक्ति के कदम

-अर्श-

रुद्रपुर, सूबे में कल संपन्न होने जा रहे नगर निकाय चुनाव में नई आरक्षण नियमावली लागू होने के बाद न केवल जारी निकाय चुनाव में मातृशक्ति की भागीदारी बढ़ी है, बल्कि महिलाएं उत्तराखंड के विभिन्न शहरों की सरकार के गठन में भी निर्णायक भूमिका निभाने जा रही है। उत्तराखंड देश के उन गिने-चुने राज्यों में से है जहां महिलाओं को सीधे मासिक आर्थिक लाभ देने की कोई योजना, जैसे मध्यप्रदेश में जारी लाडली बहना और महाराष्ट्र की माझी लाडकी बहिन एवं झारखंड की मंईयां सम्मान योजना आदि, लागू नहीं है। मगर राज्य सरकार की कई योजनाएं मातृशक्ति की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति बेहतर करने की दिशा में बेहद अहम भूमिका निभा रही है। कदाचित यही कारण है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव एवं पिछले वर्ष संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में महिलाओं का वोटिंग ट्रेंड सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में रहा। मगर लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के मुद्दे एवं निकाय चुनाव के मुद्दे अलग-अलग होते हैं, इसलिए निकाय चुनाव में भी मातृशक्ति का पुराना वोटिंग पैटर्न बरकरार रहे यह जरूरी नहीं है ,पर इतना अवश्य है कि मातृ शक्ति का प्यार जिस भी राजनीतिक दल अथवा प्रत्याशी पर बरस जाएगा, निकाय चुनाव में उसका बेड़ा पार हो जाएगा। वह इसलिए क्योंकि लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में महिलाओं ने भाजपा को भर भर कर वोट दिया और परिणाम स्वरूप भाजपा की एक तरफ जीत हुई। कहने की जरूरत नहीं कि अगर मातृशक्ति का वोटिंग पैटर्न लोकसभा और विधानसभा चुनाव वाला ही रहा, तो निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अच्छा कर सकती

है और यदि महिलाओं ने स्थानीय मुद्दों के आधार पर तथा प्रत्याशी देखकर अपना वोटिंग ट्रेंड बदला ,तो इसका लाभ प्रमुख विपक्षी को भी मिल सकता है। कुल मिलाकर इतना तो तय है कि घर संवारने के बाद अब प्रदेश की मातृशक्ति, इस बार के निकाय चुनाव में अपने-अपने शहरों को संवारने के लिए बनने वाली छोटी सरकार के गठन में भी निर्णायक भूमिका निभाने जा रही है। आश्चर्य ना होगा जो अगर निकाय चुनाव के नतीजे के बाद कुछ शहरों के सरकार की कमान भी मातृशक्ति के हाथों में ही हो ।हालांकि निकाय चुनाव में भाग ले सकने वाले कुल मतदाताओं की आधी संख्या के तकरीबन बराबर होने के बावजूद, राज्य के निकाय चुनाव में मेयर पद पर चुनाव लड़ने वाली महिलाओं का प्रतिशत केवल 31।25 ही है। इस लिहाज से यह महिलाओं के लिए प्रकल्पित 33% आरक्षण की सीमा से कम है, लेकिन यह भविष्य में महिला सशक्तिकरण की सुखद तस्वीर का खाका खींचने के लिए पर्याप्त है। राज्य निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में निकाय चुनाव के मतदान में भाग ले सकने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 30।1 9 लाख है, जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 14 लाख 66 हजार 151 और पुरुष मतदाताओं की संख्या 15 लाख 62 हजार 349 तथा थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 528 है। राज्य का सीमांत जिला पिथौरागढ़ एकमात्र ऐसा जिला है ,जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है। ज्ञात हो कि पिथौरागढ़ में महिला मतदाताओं की संख्या जहां 30952 है, वहीं पुरुष वोटरों की संख्या 30468 है। बात उधम सिंह नगर जिले की करें तो यहां कुल मतदाताओं की संख्या 567684 है जिसमें 293107 पुरुष तथा 274370 महिलाएं हैं ।कुमाऊं में निकाय चुनाव में पहली बार पांच जगहों पर मेयर पद के लिए चुनाव हो रहे हैं ।लेकिन हल्द्वानी रुद्रपुर जैसे बड़े नगर निगम में मेयर पद पर कोई महिला प्रत्याशी मैदान में नहीं हैं।वहीं पहली बार अल्मोड़ा में हो रहे मेयर पद के चुनावों में भी महिलाओं की भागीदारी नहीं है। जबकि पिथौरागढ़ में मेयर पद की सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होने पर यहां आठ महिलाएं चुनाव मैदान में हैं।

भाजपा नेता की कार से शराब भरी पेटियां बरामद

कांग्रेस मेयर प्रत्याशी बोले हार से डर रही है भाजपा

हल्द्वानी (उद संवाददाता) । गत रात्रि राजपुरा में एक भाजपा नेता द्वारा वोटरों को शराब के बदले वोट लेने का इरादा भारी पड़ गया। निकाय चुनाव से ठीक एक दिन पहले राजपुरा क्षेत्र में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष के स्टीकर लगी गाड़ी से शराब की पेटियां बरामद होने से सर्द मौसम अचानक गरम हो गया। कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी ललित जोशी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए भाजपा पर वोटरों को लुभाने के लिए शराब बांटने का आरोप लगाया है।ललित जोशी ने मौके पर पहुंचकर पुलिस प्रशासन से गाड़ी को खुलवाने की मांग की, जिसके बाद सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस ने गाड़ी खोलकर शराब की पेटियां बरामद की। जोशी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब चुनाव में हार का डर बढ़ने लगा है, तो भाजपा अब नशे के जरिए चुनावी खेल खेल रही है, और भोले-भाले वोटरों को शराब देकर चुनाव को प्रभावित करने का काम कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जबकि सेक्टर मजिस्ट्रेट ने पुष्टि की कि गाड़ी से शराब मिली है और अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि जिसके वाहन से शराब की पेटियां बरामद हुई हैं। वह पार्षद प्रत्याशी भी है। इस मामले को लेकर लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

मतदान हमारा अधिकार व पुनीत कर्तव्य है : चैतन्यपुरी

काशीपुर (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य महाप्रभु ने लोगों को मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करते हुए कहा कि मतदान करना हम सभी का अधिकार व पुनीत कर्तव्य है। हम सभी को अपने इस अधिकार व कर्तव्य का पालन अवश्य करना चाहिए। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारतवर्ष में निकाय चुनाव मतदान दिवस हमारे इस महान लोकतंत्र का एक महापर्व है। राष्ट्र निर्माण व अपने-अपने क्षेत्र के चँहुमुखी विकास व समस्याओं के निराकरण के लिए हम सभी मतदान करके एक सुयोग्य प्रत्याशी को चुनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए। यहां तक कि शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित होना चाहिए। कुछ ऐसी व्यवस्था भी हो कि जो किसी विशेष मजबूरी के अलावा मतदान नहीं करते हैं तो कुछ आर्थिक दण्ड का भी विधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान किसी भी लालच,भय या दबाव या संकीर्णताओं के दायरे में फंसकर नहीं करना चाहिए। उन्होंने आवाहन किया कि समय से पहुंचकर सभी मतदान अवश्य करें। गौरवशाली इतिहास रखने वाले हमारे देश का निरंतर विकास हो। राष्ट्र निर्माण व भारत को विश्व की महान शक्ति बनाने की ओर हमारा भी महत्वपूर्ण योगदान हो।उन्होंने कहा कि हम सभी अपने महापुरुषों, तीर्थों, शास्त्रों व परमात्मा के विभिन्न अवतारों से प्राप्त होने वाले शिक्षाओं, प्रेरणाओं उपदेशों को मात्र अपनी कमियों को छुपाने के लिए ढाल ही न बनाये बल्कि अपने जीवन में उतारकर कल्याणमय मार्ग पर आगे बढ़ें और मानव जीवन की सार्थकता मात्र पशु तुल्य अपने तक ही सीमित रहने में नहीं अपितु किसी के काम आने में है। ईश्वर कृपा से प्राप्त धन, बल, पद, सामर्थ्य प्राप्त आदि का भोग या उपयोग ही नहीं बल्कि सदुपयोग करना चाहिए।

राम मंदिर के स्थापना दिवस पर प्रसाद वितरित

गदरपुर(उद संवाददाता)। अयोध्या में कई वर्षों बाद श्री राम मंदिर की स्थापना किए जाने के उपलक्ष में स्थापना दिवस पर समाज सेवियों द्वारा शुभकामनाएं प्रदान करने के साथ राहगीरों को हलवे का प्रसाद वितरित किया गया । वार्ड नंबर 1 करतारपुर मोड़, गुरुद्वारा मार्केट में वार्ड नंबर 1 निवासी वरिष्ठ कारीगर टैनी गुप्ता एवम् उनकी पत्नी कनिका गुप्ता द्वारा प्रसाद वितरण करते हुए सभी राहगीरों को शुभ कामनाएं प्रदान की गई । टैनी गुप्ता ने बताया कि श्री राम मंदिर के स्थापना दिवस पर प्रसाद वितरण करके उनके द्वारा लोगों को जागरुककरते हुए अयोध्या में श्रीराम मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचने का आह्वान किया गया । इस मौके पर बलदेव गगनेजा, चिंतन अरोरा, सुरेंद्र सिंह, बंटी कश्यप, शुभम गुप्ता ,धर्मेंद्र प्रजापति, कमला गुप्ता, राधा गुप्ता आदि सेवादारों के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

नेहरू युवा केंद्र व पुलिस ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

गदरपुर। नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में विकासखंड में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सुश्री तनीषा चावला द्वारा नेहरू युवा केंद्र के सदस्यों व पुलिस प्रशासन के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। सर्वप्रथम उप निरीक्षक मुकेश मिश्रा ने सभी सदस्यों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित किया। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान शहर के सकेनिया मोड़ व दिनेशपुर मोड़ पर चलाया गया। इस दौरान वाहन चालकों को जागरूक किया गया जिसके अंतर्गत बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चालकों को जागरूक किया। बताया कि अक्सर बिना हेलमेट लगाकर वाहन चलाने वाले वाहन चालक गंभीर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं इसलिए उन्हें सुरक्षित यात्रा करने के लिए अच्छी क्वालिटी के हेलमेट पहनने की सलाह दी।जागरूकता अभियान के तहत सदस्यों ने चार पहिया वाहनों के चालकों को सीट बेल्ट लगाकर गाड़ी चलाने व नशे में गाड़ी न चलाने के लिए जागरूक किया। साथ ही युवाओं को समझाया कि वह तेज गति से वाहन ना चलाएं तथा स्टंट बाजी से बच्चे और रॉन्ग साइड पर वाहन न चलने के लिए भी जागरूक किया गया,सुश्री मुस्कान चावलाने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन को बढ़ावा देना और दुर्घटनाओं को रोकना है।लोगों ने भी अभियान की सराहना की।

राम मंदिर स्थापना की वर्षगांठ पर विशाल भंडारा आयोजित

रूद्रपुर। श्री राममंदिर स्थापना की प्रथम वर्षगांठ पर ओम गार्डन एवं कृष्णा ग्रीन कॉलोनी वासियों नेलंगर का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सबसे पहले आयोजनकर्ताओं ने प्रभु श्री राम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर हर्षोल्लास व्यक्त किया। इसके बाद रुद्रपुर से अयोध्या धाम तक पैदल यात्रा करने वाले रामभक्त सुशील गाबा को माल्यार्पण कर, तिलक कर एवं शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया। सुशील गाबा ने भी सभी का माल्यार्पण किया। इसके बाद लंगर प्रसाद का वितरण हुआ। संदीप शर्मा ने कहा कि विगत वर्ष अयोध्या धाम में राम लला जिन्हें बालक राम के रूप में भी जाना जाता है, की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। यह एक ऐतिहासिक पल था, जो आजीवन स्मरण रहेगा। इस दौरान सुशील गाबा, संदीप शर्मा, केशव दत्त शर्मा, पप्पू मजूमदार, बिंदु यादव, रिया गौतम, अमित मदान, शिंटु दुबे, दिलीप, पंकज मंडल, प्रमोद भारद्वाज, करण, रामू सोनकर, अमित मदान, रामेंद्र, भोगेंद्र चौहान, प्रवीण सिंह, विनय भदौरिया आदि मौजूद रहे।

स्टार प्रचारक के रूप में दिखी पूर्व विधायक ठुकराल की डिमांड

भाजपा में न रहकर भी ठुकराल ने कई वार्डों में दी भाजपा प्रत्याशियों को संजीवनी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नगर निगम रूद्रपुर के मेयर पद के लिए चल रहे मतदान में जीत का सहारा किसके सर बंधेगा? इस संबंध में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन तमाम राजनीतिक पंडित यह मानकर चल रहे हैं कि शहर की सरकार में अपना मुखिया बनाने के लिए राज्य के सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस के बीच बेहद कांटे का मुकाबला है। शुरूआत में भारतीय जनता पार्टी इस मुकाबले में काफी आगे नजर आ रही थी ,मगर चुनाव प्रचार के परवान चढ़ने के साथ ही कांग्रेस ने एक सुनियोजित रणनीति अपनाते हुए मुकाबला को अंततः बेहद नजदीकी बना दिया। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के कुछ बड़बोले नेता मतदान की पूर्व संध्या तक दस से लेकर पंद्रह हजार के अंतर से रुद्रपुर के मेयर का चुनाव जीतने का दवा करते रहे हैं। मगर जमीनी आंकलन में भाजपा इस लड़ाई में इतनी मजबूत कतई नहीं नजर आती। लिहाजा चुनावी लड़ाई के बेहद नजदीकी होने के प्रबल आसार हैं। कांग्रेस के जबरदस्त चुनाव प्रचार एवं स्मार्ट मीटर का मुद्दा बेहद आक्रामक ढंग से उठाए जाने के बावजूद रुद्रपुर के मेयर की चुनाव की राजनीतिक लड़ाई में भाजपा को बदस्तूर खड़ा रखने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के अलावा रुद्रपुर के पूर्व विधायक राजकुमार ठकुराल का भी बेहद अहम योगदान है, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी का औपचारिक सदस्य ना होते हुए भी भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार को एक नई धार देते हुए भाजपा प्रत्याशियों को शहर के कई वार्डों में संजीवनी दी। सीएम धामी से वार्ता के बाद अपना एवं अपने अनुज संजय ठुकराल का नामांकन वापस लेने के बाद, ठुकराल ने बेहद समर्पित भाव से न केवल भारतीय जनता पार्टी के मेयर प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार किया, बल्कि शहर के अनेक वार्डों में बुरी तरह पिछड रहे भारतीय जनता पार्टी के पार्षद प्रत्याशियों के लिए भी ताबड़तोड़ प्रचार किया और उन्हें मुकाबले में वापस ले आए। ठुकराल के चुनाव प्रचार में जुटते ही नगर के विभिन्न वार्डों में होने वाली भाजपा की सभाओं की रंगत ही बदल गई और सभाओं में लोगों का समूह का समूह शिरकत करने लगा। जिसके परिणाम स्वरूप शहर के एक बड़े हिस्से में भाजपा के चुनाव प्रचार ने एक अलग तरह का मोमेंटम तो पकड़ा ही, साथ ही साथ भाजपा को जमीनी स्तर पर भी अच्छी खासी ताकत मिली। ऐसे में यदि भारतीय जनता पार्टी यदि आगामी 25 जनवरी को नगर निगम रूद्रपुर के मेयर का चुनाव बेहद नजदीकी मुकाबले में जीतने में सफल रहती है, तो काफी हद तक भाजपा की इस जीत के रियल हीरो राजकुमार ठुकराल ही होंगे। यह अलग बात है कि स्थानीय भाजपा का एक धड़ा ना तो चुनाव प्रचार के दौरान ही ठकुराल को महत्व देने के पक्ष में था और ना ही जीत की स्थिति में उनके योगदान को खुले दिल से स्वीकार कर पाएगा।

श्री राम मंदिर की वर्षगांठ पर धूमधाम से निकली शोभा यात्रा

किच्छा(उद संवाददाता)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नगर में विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा में शिरकत की। शोभायात्रा के दौरान सुंदर झांकियां सजाई गईं। नगर के तमाम स्थानों पर शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। प्रसाद वितरण भी किया गया। स्थानीय राधा कृष्ण सनातन धर्म सभा के तत्वावधान में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के मौके पर नगर के पुरानी गल्ला मंडी से विशाल शोभायात्रा शुरू हुई। ढोल नगाड़ों के बीच मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा महाराणा प्रताप चौक, मुख्य बाजार, दीनदयाल चौक, बरेली रोड,आवास विकास होती हुई पुनः गल्ला मंडी पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान भगवा झंडों और भगवान श्री राम के भजनों से पूरा वातावरण भक्ति रस में डूबा नजर आया। नगर के तमाम स्थानों पर शोभायात्रा का फूलों की वर्षा तथा प्रसाद वितरण कर भव्य स्वागत किया गया। नगर के दीनदयाल चौक पर सनातन धर्म किच्छा में शोभायात्रा के नगर के व्यवसाय सुदर्शन ठुकराल एवं किशन गोयल द्वारा भव्य स्वागत कर प्रसाद वितरण किया गया यहां पर भक्तों ने प्रसाद का आनंद लेते हुए प्रभु राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भक्त जनों ने यहां पर जमकर नृत्य किया।सभा के तत्वाधान में लगाए गए विशाल पंडाल में नगर के संभ्रांत नागरिकों को पटका पहनाकर सनातन धर्म सभा के सदस्यों ने सम्मानित किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता लवी सहगल ने कहा कि करीब 500 वर्षों तक की तपस्या के बाद अयोध्या में भगवान श्री राम के विशाल मंदिर का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की आस्था का केंद्र राम मंदिर आज जनमानस के दिल में अमिट छाप छोड़ चुका है।उन्होंने कहा कि भारत देश के साथ-साथ विदेशों में भी प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूरे होने पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शोभायात्रा के दौरान भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती, बजरंगबली हनुमान आदि के वेशभूषा में बाहर से आए कलाकारों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। व्यापारी नेता गुलशन,सिंधी एवं युवा समाजसेवी अक्षय बावा की अगुवाई में तमाम युवाओं ने फूलों की वर्षा के साथ शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया।मौके पर सनातन धर्म सभा महामंत्री ओमी अग्रवाल, व्यापारी नेता गुलशन सिंधी, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष लवी सहगल, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू, सुरेश पपनेजा, नितिन फुटेला, विजय अरोड़ा, प्रवीण रहेजा, अक्षय बावा, बंटी पपनेजा, सुभाष तनेजा, शैली फुटेला, ओमप्रकाश दुआ, राजेश प्रताप सिंह, संगीता शर्मा, रिंकू लूथरा, सुमन खुराना, छोटेलाल कोहली, दिनेश भाटिया, अरुण तनेजा, किन्नू शुक्ला, शैलका खुराना, दिलीप आयलानी आदि मौजूद थे।

Guru Maa Advanced Dental Care

गुरु माँ एडवांस डेन्टल क्लीनिक

WORLD-CLASS DENTAL CARE NOW IN YOUR CITY

रूट कैनाल विशेषज्ञ | डेन्टल इम्प्लांट | टेढ़े-मेढ़े दांतों का इलाज

invisalign

डॉ. आँचल ढींगरा
बी.डी.एस, एम.डी.एस. एंडोडोन्टिस्ट
रुट केनाल स्पेशलिस्ट, कॉस्मेटिक डेन्टीस्ट
सर्टिफाइड एस्थैटिक डैन्टिस्ट

Guru Maa Advanced Dental Care "A Multi Speciality Dental Clinic"

प्लॉट नं 1, सिविल लाइन्स, रुद्रपुर | 7452880018, 05944-245666

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आजीवन कारावास की सजा

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और फिर हत्या के मामले में अदालत ने दोषी को आजीवन करावास की सजा सुनाई है। इससे निश्चय ही पीड़ित परिवार और न्याय की मांग कर रहे लोगों को राहत मिली है। इससे बलात्कार जैसे मामलों में त्वरित सुनवाई और फैसले की उम्मीद भी जगी है। पिछले वर्ष अगस्त में अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में प्रशिक्षु डाक्टर का शव मिला था। जांच में पता चला कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। इसे लेकर काफी हंगामा शुरू हो गया। शुरूआती छानबीन में ही आरोपी की पहचान कर ली गई थी। फिर देश भर के डाक्टर आंदोलन पर उतर आए, अनेक शहरों में नागरिक संगठनों ने भी विरोध जताया था। कोलकाता में चिकित्सक और नागरिक लगातार इस घटना के विरोध में आंदोलन चलाते रहे। तब इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई थी। जांच में तेजी लाई गई और आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले। उसी आधार पर अदालत ने फैसला सुनाया है। दो महीने से भी कम समय में सुनवाई पूरी करते हुए अदालत फैसले तक पहुंच गई। इससे जाहिर है कि अगर जांच एजंसियां तत्परता दिखाएं और अदालतें बलात्कार और हत्या जैसे मामलों में संजीदगी से सुनवाई करें, तो न्याय जल्दी मिल सकता है। बलात्कार के मामलों में अक्सर देखा जाता है कि दोष सिद्ध नहीं हो पाता। पीड़िता और उसका परिवार न्याय से वंचित रह जाते हैं। बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि की दर बहुत कम है। इसलिए भी ऐसे अपराध करने वालों का मनोबल तोड़ना कठिन होता है। दिल्ली में निर्भया कांड के बाद महिला अपराध संबंधी कानूनों को काफी सख्त बना दिया गया। बलात्कार के मामले में जांच और सुनवाई में तेजी लाने का प्रावधान किया गया। मगर उसका भी कोई अपेक्षित असर नजर नहीं आता। बलात्कार के मामले हर वर्ष कुछ बढ़े हुए ही दर्ज होते हैं। आरजी कर अस्पताल की घटना को भी वहां के प्रशासन ने प्राथमिक तौर पर दबाने-छिपाने का ही प्रयास किया था। अगर वहां के चिकित्सा कर्मियों और जागरूक नागरिकों ने आंदोलन तेज न किया होता, तो शायद उस पर भी इतनी जल्दी फैसला न आ पाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने उस आंदोलन के दबाव में आकर ही मामले की निष्पक्ष जांच में सहयोग किया। पीड़ित परिवार ने किसी भी तरह का मुआवजा लेने से इनकार कर दिया था। उसकी मांग थी कि न्याय मिलना चाहिए। सीबीआइ और दूसरे पक्षकार दोषी को फांसी की सजा की मांग कर रहे थे, मगर अदालत ने बहुत ही सुलझे हुए ढंग से आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरजी कर प्रशिक्षु चिकित्सक हत्या मामले में अपनाई गई जांच प्रक्रिया और सुनवाई एक नजीर है कि कैसे इस तरह के मामलों को निपटाया जाना चाहिए। ऐसे मामले अक्सर जांच में लापरवाही बरतने और आरोपी के साथ मिलीभगत के कारण बिना उचित न्याय के खत्म हो जाते हैं। जिन मामलों में रसूखदार लोग आरोपी होते हैं, उनमें निष्पक्ष जांच की संभावना कम ही होती है। अदालतें चूंकि जांच और सबूतों के आधार पर ही किसी निर्णय पर पहुंचती हैं, मगर जब वही ठीक से नहीं पेश किए जाते, तो मामले धुंधलके में खो जाते हैं। बलात्कार के मामलों में अक्सर उन महिलाओं को न्याय नहीं मिल पाता, जिनके पास योग्य वकील कर पाने का पैसा और प्रशासन पर दबाव बना सकने की क्षमता नहीं होती। इसमें सरकारों की दृढ़ इच्छाशक्ति का होना भी जरूरी है।

कर्मचारियों की खुशहाली के परिणाम?

केंद्रीय मंत्रीमण्डल ने आठवें वेतन आयोग के गठन का फैसला लिया है। इसकी सिफारिशें लागू होने पर 45 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 65 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वेतन बढ़ जाएंगे। 1 जनवरी 2026 से आठवें वेतन आयोग का कार्यकाल शुरु होगा। इस आयोग के परिणाम से उम्मीद हैं कि न्यूनतम मूल वेतन 18000 से 51000 हो जाएगा। इस नई वेतनवृद्धि से अर्थव्यवस्था पर 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आने का अनुमान है। केंद्र में नई सिफारिशों के लागू होने के बाद प्रदेश सरकार के कर्मचारियों के वेतन में भी वृद्धि कर दी जाती है। केंद्रीय कर्मचारियों की इस खुशहाली से जहां सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद की जा रही है, वहीं इससे महंगाई बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। समाज में विभिन्न तबकों के बीच आयगत असमानता की खाई और चौड़ी होगी। इससे न केवल विकास के रास्ते में मुश्किलें खड़ी होंगी,बल्कि जो लोग क्रयशक्ति की दृष्टि से हाशिए पर हैं,उन्हें जीवन-यापन में और कठिनाईयां पेश आ सकती हैं। गोया, कर्मचारियों को खुशहाली के ये उपहार सरकारी खजाने के लिए सातवें वेतन आयोग की तरह निराशाजनक साबित हो सकते हैं। क्योंकि इससे राजकोश पर सालाना करीब 2 लाख करोड़ का अतिरिक्त भार पड़ेगा। जाहिर है, इस बोझ से अर्थव्यवस्था की गति और धीमी ही पड़ेगी। इन वेतनमानों का अनुकरण भविष्य में रेलवे, बैंक और राज्य सरकारों को भी करना होगा। गोया, इनमें भी विकास की गति धीमी पड़ना तय है। जबकि ये राज्य अपना खर्च अपनी आय के स्रोतों से उठाने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे ही विशंगतियों के चलते गरीबी रेखा के नीचे आने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती हैं। फिलहाल भारत सरकार 81 करोड़ लोगों को मुफ्त में 35 किलो अनाज उपलब्ध करा रही है। सरकारी कर्मचारियों के लिए एक तय समय सीमा में वेतन आयोग गठित होता है। आयोग की सिफारिशों के मुताबिक भेतन-भत्तों में बढ़ोत्तरी भी की जाती है। ताकि उन्हें,बढ़ती महंगाई और बदली परिस्थितियों के परिदृश्य में आर्थिक कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़े। इसीलिए 1946 में जो पहला वेतन आयोग बना था,उसने 35 रूपए मूल वेतन तय किया था। 1959 में दूसरे आयोग ने इसे बढ़ाकर 80 रुपए किया। 1973 में तीसरे ने 260,चौथे ने 1986 में 950 किया। वहीं पांचवें आयोग ने इसे एक साथ तीन गुना बढ़ाकर 3050 रुपए कर दिया। छठे ने इसे बढ़ाकर 7730 रुपए किया, जबकि छठे वेतन आयोग ने मूल वेतन में 20 प्रतिशत वृद्धि की सिफारिश की थी। किंतु डॉ मनमोहन सिंह सरकार ने अतिरिक्त उदारता बरतते हुए, इसे लागू करते समय दोगुना कर दिया था। सातवें आयोग की सिफारिशों के फलस्वरूप केंद्र सरकार के कर्मचारियों का अधिकतम वेतन ढाई लाख रुपए और न्यूनतम वेतन 18000 रुपए हो गया है। अब आठवें वेतन आयोग में न्यूनतम मूल वेतन 18000 रुपए से बढ़कर 51000 रुपए हो सकता है ? इस तरह से ये वेतन सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों से ज्यादा हो जाएगा। गोया, इस विशंगति से इनके अहम् को ठेस लगना स्वाभाविक है। लिहाजा संसदों द्वारा वेतन-भत्तों को बढ़ाने की मांग उठना लाजिमी है। आगे-पीछे सरकार को यह मांग भी मानना पड़ेगी। इन वेतन वृद्धियों से केंद्र सरकार के 45 लाख वर्तमान कर्मचारियों और 65 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों को तो लाभ मिलेगा ही सशस्त्र बलों को भी मिलेगा। इन सिफारिशों के लागू होने के बाद अगले दो-ढाई साल तक सरकार इससे उपजने वाली आर्थिक खाई में संतुलन बिठाने में ही लगी रहेगी। नए औद्योगिक विकास और खेती को किसान के लिए लाभ का धंधा बनाए जाने के उपायों से बुरी तरह पिछड़ जाएगी। इन वेतन वृद्धियों से मंहगाई का ग्राफ भी उछलेगा। जिसका सामना न केवल किसान-मजदूर,बल्कि असंगठित क्षेत्र से आजीविका चला रहे हर व्यक्ति को करना पड़ेगा। हालांकि सरकार को यह मुगालता है कि वेतन-वृद्धि से निवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी। नतीजतन घरेलू मांग बढ़ेगी और रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा होंगे। कुल मिलाकर देश की माली सूरत 'शाइनिंग इंडिया' में बदल जाएगी। यह स्थिति केवल सरकारी कर्मचारियों के अनुकूल रहेगी। इस क्षेत्र में भी संविदा आधारित नियुक्त कर्मचारी और दैनिक वेतन भोगियों को इस अनुपात में लाभ नहीं दिया जाएगा। यही नहीं वेतन बढ़ा देने से न तो कर्मचारियों में कार्यकुशलता और जबावदेही देखने में आई, बल्कि इसके उलट इसी अनुपात में भ्रष्टाचार और बढ़ गया। जिस न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के विचार को प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाने का दावा किया था, वे सातवें वेतनमान के लागू होने के बाद ही ध्वस्त हो गए थे। इसके विपरीत बढ़ी तनखाहों के अनुपात में भ्रष्टाचार भी बढ़ता देखा गया है। सरकार को इस बाबत यह सोचने की जरूरत है कि देश में मौजूद कुल नौकरियों में से करीब 8.5 प्रतिशत संगठित क्षेत्र में हैं। शेष असंगठित क्षेत्रों में हैं। जहां न तो वेतन-भत्तों में समानता है और न ही सामाजिक सुरक्षा की गारंटी है। देश की सबसे बड़ी आबादी कृषि और कृषि आधारित मजदूरी पर आश्रित है। लेकिन इन दोनों ही वर्गों की आमदनी की कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में जिन राज्यों को सूखा व ओलावृष्टि का सामना करना पड़ेगा, उन्हें फसल उत्पादन से जुड़े वर्गों की रक्षा करना मुश्किल होगा ? जबकि सरकारीकर्मियों की नौकरी में स्थायित्व है। कार्य-स्थितियां अनुकूल हैं। जवाबदेही की कोई गारंटी नहीं है। स्वास्थ्य बिगड़ने और पर्यटन पर जाने पर भी वेतन मिलते हैं। बावजूद भ्रष्टाचार, कदाचरण एवं निरंकुशता अपनी जगह बदस्तूर हैं। जबकि इन्हीं स्थितियों में असंगठित क्षेत्र के लोगों का काम प्रभावित होता है, नतीजतन उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। इसी कारण देखने में आ रहा हैं कि मझोले और लघु कृषकों की ज्यादातर जमीनें सरकारी कर्मचारी खरीदते जा रहे हैं। रियल स्टेट और शेयर बाजार में भी इनकी भूमिका बढ़ रही है। यह स्थिति चिंताजनक है। इन सब हालातों को ही दृष्टिगत रखते हुए स्वामीनाथन आयोग ने सिफारिश की थी कि हर फसल पर किसान को लागत से डेढ़ गुना दाम दिया जाए। डॉ मनमोहन सिंह की सरकार ने तो इसे नजरअंदाज किया ही,नरेंद्र मोदी की राजग सरकार ने भी इसे लगभग खारिज किया हुआ है, जबकि जरूरी था कि सरकार खेती-किसानी से जुड़े लोगों की आमदनी बढ़ाने के उपाय तो करती ही, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत करोड़ों लोगों की आय बढ़ाने के तरीके भी तलाशती ? दरअसल केंद्र सरकार और उसके रहनुमाओं को यह भ्रम है कि महज केंद्रीय कर्मचारियों की वेतन वृद्धि से बाजार में तेजी आ जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इस राशि को जब कर्मचारी खर्च करेंगे तो भवन,वाहन, इलेक्ट्रोनिक एवं संचार उपकरणों की बिक्री बढ़ेगी। लेकिन सरकार को यहां विचार करने की जरूरत है कि केंद्रीय कर्मचारियों की संख्या बहुत सीमित है और इनमें से ज्यादातर सभी आधुनिक सुविधाओं से अटे पड़े हैं। अधिकांश कर्मचारियों के पास हर बड़े शहर में आवास हैं और परिवार के हरेक सदस्य के पास वाहन सुविधा है। वैभव और विलास का यह जीवन उन्हें उत्तरदायित्व से विमुख कर रहा है। बावजूद सरकारी कर्मियों को उत्तरदायी बनाने पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा ? एक वक्त समयबद्ध सेवा सुनिश्चित करने का कानून बनाने की बात उठी थी, लेकिन वह आई-गई हो गई। जबकि इसे कानून बनाने के अजेंडे में लाने की जरूरत है। कर्मचारियों को कार्य-प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कृत व पदोन्नत करने के उपाय किए जाएं तो जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है। बढ़े हुए वेतन के साथ भ्रष्टाचार मुक्त लोकदायित्व की अपेक्षा तो की ही जानी चाहिए ? क्योंकि अंततः कर्मचारियों को जो वेतन भत्ते मिलते हैं,उस धन का निर्माण कृषि, प्राकृतिक संपदा का दोहन, पशुधन से मिलने वाली राशि और उद्यमियों से मिलने वाले कर ही हैं। इसलिए समूची प्रशासनिक व्यवस्था को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाए जाने के साथ-साथ पारदर्शी भी बनाया जाना जरूरी था, लेकिन सरकार कर्मचारियों को नाराज करने का जोखिम उठाना नहीं चाहती। चुनांचे इस इजाफे से अर्थव्यवस्था को बहुत बड़े पैमाने पर गति मिलने वाली नहीं है। तत्काल मिलती भी है तो वह लंबी काल अवधि तक टिकने वाली नहीं है। यह तो तभी संभव है,जब उन असंगठित क्षेत्रों के समूहों की भी आमदनी बढ़े,जो देश की बड़ी आबादी का हिस्सा हैं और क्रयशक्ति के लिहाज से हाशिए पर हैं। मगर हाशिए पर पड़े इन लोगों पर निगाह ही नहीं डाली जा रही है, शायद इस आशंका से की कहीं पूंजीवादी प्राथमिकताओं को बदलने की जरूरत न पड़ जाए ? लिहाजा कर्मचारियों को खुशहाल बनाए जाने की ये सौगातें आम आदमी को राहत पहुंचाने वाली नहीं हैं।

प्रमोद भार्गव,लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं।

खिलाड़ियों को बेहतर भोजन व आवास के लिए होटल स्वामियों को दिए निर्देश

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। 38 वे राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में नैनीताल डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक सभागार में खिलाड़ियों के आवास एवं भोजन के लिए होटल स्वामियों के साथ बैठक की गई। बैठक में आगंतुक खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं देने हेतु होटल स्वामीयों

को निर्देश दिए गए। थॉमस कुक के प्रतिनिधियों को होटल स्वामियों के साथ समन्वय स्थापित कर खिलाड़ियों को सुव्यवस्थित ढंग से ठहराने के निर्देश दिए गए। होटल में स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए जाने हेतु महाप्रबंधक जिला उद्योग विभाग को निर्देश दिए गए। हर होटल में पर्यटन संबंधित सामग्री को भी रखा जाएगा ताकि खिलाड़ी नैनीताल जिले एवं राज्य के पर्यटक स्थलों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों के आयोजन की बनाई रूपरेखा

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। गणतंत्र दिवस 2025 के आयोजन के संबंध में जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में एक बैठक कलैक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि गणतन्त्र दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी का आयोजन प्रातः 7 बजे से नन्दादेवी प्रांगण से मुख्य बाजार होते हुए चौघानपाटा तक किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। 26 जनवरी के दिन प्रातः 9:30 बजे सभी सरकारी, अर्धसरकारी कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण किया जायेगा तथा राष्ट्रीय गान एवं संकल्प पढ़ा जायेगा । बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त उपजिलाधिकारी जनपद अल्मोड़ा में अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों, सैन्य विधवाओं, उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारियों को ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमन्त्रित करें। गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहरण एवं पुलिस परेड का आयोजन 10:30 बजे से 01 बजे तक पुलिस लाईन में किया जायेगा। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, लैप्रोसी मिशन करबला एवं नारी निकेतन बख में फल वितरण किया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी सीएस मर्तोलिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आरसी पंत, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक विमल प्रसाद समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल के समक्ष किया शोध कार्य की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण

देहरादून(उद संवाददाता)। बुधवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के समक्ष श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन के. जोशी ने ''वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च'' योजना के तहत चल रहे शोध कार्य की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया। श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा ''आधुनिक परिदृश्य में भारतीय प्राच्य ज्ञान परंपरा'' विषय पर शोध किया जा रहा है। प्रस्तुतीकरण के दौरान कुलपति ने बताया कि शोध पत्र को 7 खण्डों, प्राच्य विज्ञान एवं प्राचीन गणित, इतिहास संस्कृति एवं राजनैतिक विचार, आयुर्वेद एवं योग, अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, पर्यावरण, दर्शन एवं शैक्षिक चिंतन और बहुविषय में विभाजित किया गया है। शोध पत्र का उद्देश्य प्राचीन ज्ञान तथा आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के मध्य समन्वय स्थापित किया जाना है, इसके साथ-साथ हमारे समृद्ध ज्ञान को आधुनिक परिपेक्ष्य में पुनर्स्थापित करना और हमारे प्राच्य ग्रन्थों में निहित ज्ञान को संरक्षित किया जाना है। इस दौरान उन्होंने विस्तृत रूप से सभी खण्डों में निहित शोध प्रबंध के बारे में अवगत कराया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्य की सराहना करते हुए कहा कि हमारा प्राचीन ज्ञान हमारी अमूल्य धरोहर है, लेकिन इसके महत्व और उपयोगिता से बहुत कम लोग परिचित हैं। यह शोध प्रबंध विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, योग, खगोलशास्त्र और राजनीति जैसे प्राचीन भारतीय ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों को वैश्विक स्तर पर एक अमूल्य धरोहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इन ज्ञान शाखाओं ने न केवल हमारी संस्कृति को समृद्ध किया है, बल्कि इनकी वैश्विक प्रासंगिकता भी प्रमाणित हुई है। राज्यपाल ने कहा कि इस समृद्ध ज्ञान को संरक्षित कर, इसे वैश्विक विकास, सांस्कृतिक सशक्तीकरण और वैज्ञानिक अनुसंधान में समाहित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा प्राचीन ज्ञान जो हमारी धरोहर है जिसके बारे में प्रत्येक भारतीय को जानकारी होना जरूरी है। शोध के माध्यम से निकले निष्कर्ष से भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रचार-प्रसार होगा। राज्यपाल ने शोध टीम के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर सचिव श्रीमती स्वाति एस. भदौरिया, प्रो. कल्पना पंत, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय उपस्थित रहे।

पहाड़ से मैदान तक छाए बादल कई जिलों में बारिश के आसार

देहरादून। उत्तराखंड में आज मौसम फिर बदलेगा। दिन की शुरुआत पहाड़ में बादलों के साथ हुई। वहीं, मैदानी इलाकों में हल्का कोहरा छाया हुआ है। आज पर्वतीय जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान देहरादून समेत उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, टिहरी, हरिद्वार, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि इन जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली चमकने के भी आसार हैं। बीते कुछ दिनों से मौसम सुहावना होने से ठंड से राहत मिली है। उधर देहरादून के मौसम ने बुधवार को चार दिन बाद फिर नया रिकॉर्ड बनाया। यहां का अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री बढ़ोतरी के साथ 25.9 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले साल 2020 में इस दिन दिन का अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री रहा था। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मौसम के बदले पैटर्न और विंटर सीजन की बारिश में कमी के चलते तापमान में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। आंकड़ों पर नजर डाले तो प्रदेश भर में दिन के साथ रात के न्यूनतम तापमान में भी इजाफा देखने को मिला।

हल्द्वानी में मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत व डीआईजी योगेंद्र रावत।

रूद्रपुर में मतदान के लिए बूथों के बाहर लाईन में खड़े मतदाता।

गदरपुर में मतदान केंद्रों के बाहर लगी वोटरों की लंबी कतार।

रुद्र लांयस और एमेनिटी अकादमी ने किया सेमीफाईनल में प्रवेश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उधम सिंह नगर के तत्वाधान में जिले में चल रही सीनियर पुरुष जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का क्वार्टर फाइनल मुकाबला रूद्र लॉयस क्रिकेट अकादमी और जेपीएस क्रिकेट अकादमी के मध्य बागवाला क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। रुद्र लायस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 45 ओवरों में 6 विकेट खोकर 285 रन बनाएं रुद्र लायस की तरफ से शानदार बल्लेबाजी करते हुए अभिमन्यु कांडपाल ने 115 रनों की नाबाद पारी खेली ।रवि यादव 58 रन बनाएं। जेपीएस एकेडमी की तरफ से मनीष कुमार ने 3 जीवांश ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेपीएस क्रिकेट एकेडमी 31 ओवरों में 129 रनों पर ऑल आउट हो गई। जेपीएस एकेडमी की तरफ से मोहम्मद जुनैद ने 30 और मनीष कुमार ने 26 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया। रुद्र लॉयस की तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए रजत श्रीवास्तव ने 5 ,कुणाल यादव ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार रजत श्रीवास्तव को दिया गया। मैच के अंपायर राजेंद्र कुमार और रितिक रहे।एमिनिटी क्रिकेट ग्राउंड पर एमिनिटी पब्लिक स्कूल और एमिनिटी मदनलाल क्रिकेट अकादमी के मध्य क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। एमिनिटी मदन लाल क्रिकेट अकादमी में पहले खेलते हुए 45 ओवरों में 8 विकेट पर 334 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिसमें प्रत्यूष राज पांडे ने 109 तथा मोहम्मद सलमान ने 108 रनों की शतकीय पारी खेली। एमिनिटी पब्लिक स्कूल की तरफ से वर्णित और अनुराग राज व मृत्युंजय नेगी ने 2-2 विकेट लिए । लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमिनिटी पब्लिक स्कूल की पूरी टीम 35 ओवरों में 189 रनों पर ऑल आउट हो गई ।जिसमें मृत्युंजय नेगी ने 55 तथा आदित्य साह ने 54 रनों का योगदान दिया ।एमिनिटी मदन लाल क्रिकेट अकादमी की तरफ से प्रत्यूष राज पांडे ने 3 मृत्युंजय पांडे ने 2 विकेट लिए ।यह मैच एमिनिटी मदन लाल एकेडमी ने 145 रनों से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच प्रत्यूष राज पांडे रहे। मैच के अंपायर राघवेंद्र पवार और मोहित कुमार ऑनलाइन स्कोरिंग विदिशा कर द्वारा की गई ।इस अवसर पर बलवंत सिंह ,गौरव तिवारी, आफताब आलम, इंद्र नील कर, सुनील यादव, रणशेर सिंह , तमाम खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष...

छोटी सरकार के लिए..सभी से मतदान का प्रयोग अवश्य करने को कहा। उन्होनें कहा कि आपका वोट लोकतंत्र को मजबूत करेगा। विधायक ने कहा कि यह नगर निगम रुद्रपुर की सरकार चुनने का मौका है जहाँ आपकी आवाज आपका पार्षद ओर मेयर बनेगा। उन्होंने कहाँ विगत दो बार से नगर निगम रुद्रपुर में भाजपा की सरकार है ओर तीसरी भी जनता का रुझान भाजपा के लिये नजर आ रहा है। बड़ी संख्या में लोग घरों से मतदान के लिए निकले हैं। एक बार फिर रुद्रपुर नगर निगम में भाजपा का मेयर बनने वाला है। **गदरपुर**-निकाय चुनाव को लेकर बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे से मतदान केंद्रों पर वोटिंग के लिए मतदाताओं की लंबी लाइन देखने को मिली। निकाय चुनाव को लेकर गदरपुर में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सर्दी के बावजूद सुबह से ही मतदान करने के लिए मतदाता पहुंचे। मतदान केंद्र पर लंबी कतारें सुबह 8 बजे से ही लगनी शुरू हो गई। गदरपुर में 11 वार्डों के लिए 6 मतदान केंद्र और 22 बूथ बनाए गए हैं मतदान केदो पर सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस फोर्स भी तैनात की गई है छोटी मोटी घटनाओं के बीच मतदान जारी है समाचार लिखे जाने तक गदरपुर में करीब 40 प्रतिशत मतदान हो चुका था।**नानकमत्ता**- नगर पंचायत नानकमत्ता में दोपहर 1बजे तक 45 मतदान हो चुका था। नगर पंचायत के सात बार्ड में पुलिस की सुरक्षा में शांतिपूर्वक मतदान शुरू हुआ, नानकमत्ता के सभी सात वार्डों में से 6 वार्ड में भाजपा ने अपने प्रत्याशी उतारे थे, जबकि वार्ड 5 में भाजपा ने किसी को भी भाजपा से टिकट नहीं दिया था, जबकि अध्यक्ष पद के लिए प्रेम सिंह टुरना पहले ही निर्विरोध चुनाव जीत चुके थे, नगर पंचायत के साथ वार्ड में खबर लिखे जाने तक 45% मतदान हो चुका था। हल्द्वानी -नगर निगम में मेयर और पार्षद पद के लिए मतदान केंद्रों पर मतदाता सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े नजर आये। मतदाताओं का कहना था कि वह ऐसी सरकार का चयन करेंगे, जो सड़क, पानी, बिजली, सीवरेज और बरसात के दिनों में जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान करे।हल्द्वानी नगर निगम के मेयर पद के लिए 10 प्रत्याशी मैदान में हैं, लेकिन मुख्य टक्कर भाजपा और कांग्रेस के बीच मानी जा रही है। भाजपा से गजराज सिंह बिष्ट और कांग्रेस से ललित जोशी इस चुनावी जंग में आमने-सामने हैं। मतदाता इस चुनाव को हल्द्वानी के भविष्य से जोड़कर देख रहे हैं। नगर निगम के 60 वार्डों में पार्षद पद के लिए भी 238 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। हर वार्ड में वोटिंग को लेकर गहमागहमी है। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मतदान केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। मतदान के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष नजर रखी जा रही है। इस बीच, कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत और डीआईजी डॉ. योगेंद्र रावत ने अधिकारियों के साथ बनभूलपुरा क्षेत्र का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था और मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारी पूरे दिन सतर्क नजर आ रहे हैं।

भूतबंगला में लाठीचार्ज...वोट डालने की कोशिश कर रहे थे, जब पुलिस कार्रवाई करने पहुंची तो ये लोग पुलिस से भी उलझने लगे। उन्होंने कहा कि परवेज कुरैशी हिस्ट्रीशीटर है और बहेड़ी,किच्छा,रामपुर और मुरादाबाद से यहां अपने लोगों को लाकर फर्जी वोटिंग कराने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के पहुंचने पर 150 से अधिक लोग यहां से निकल कर भाग गये। श्री अरोरा ने कहा यहां कई गाड़ियों में बहेड़ी और रामपुर के अपराधिक किस्मों का जमावड़ा था और वह बूथ कैप्चरिंग के प्रयास में थे, इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस यहां पहुंची तो उक्त लोग फरार हो गये। उधर जिला अस्पताल में घायल का हाल जानने के लिए पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा, सीपी शर्मा, अनिल शर्मा, सौरभ चिलाना समेत तमाम कांग्रेसी पहुंच गये। उन्होंने घायल का हाल जाना। इस दौरान बेहड़ ने पुलिस प्रशासन पर भाजपा के इशारों पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग सत्ता का खुला दुप्योग कर रहे है। भाजपा एक तरफा चुनाव कराना चाहती है लेकिन जनता इनके मंसूबे पूरे नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर कांग्रेस प्रत्याशी पर हमला किया गया है, कई अन्य स्थानों पर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मारपीट की घटनायें हुयी है। उन्होंने कहा कि शाम को इस मुद्दे पर प्रेस वार्ता में विस्तार से खुलासा करेंगे।

व्यापारी नेता को ...हुआ था, इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की पुलिस मौके पर पहुंची तो उलटा उन्हें ही हिरासत में ले लिया। वहीं मामले में ट्रांजिट कैम्प थानाध्यक्ष का कहना है कि संजीव गुप्ता पोलिंग बूथ के बाहर चुनाव को प्रभावित कर रहे थे, इसकी शिकायत पर उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। वहीं मामले में व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि द्वेष भावना के चलते सत्ता पक्ष काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संजीव गुप्ता ने खुद शिकायत की उलटा उन्हें ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि संजीव गुप्ता मोहन खेड़ा का समर्थन कर रहे थे इसी लिए उन पर यह कार्रवाई की गयी। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के लोग लोकतंत्र की हत्या कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन रिमोर्ट कंट्रोल से संचालित हो रहा है।

डीएम और एसएसपी .. निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मतदान करने आ रहे मतदाताओं के साथ शालीनता से व्यवहार करें और सभी को चुनाव नियमों की जानकारी देकर उसका पालन करने के लिए प्रेरित करें।

वोटरों को ...ने सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया। इस दौरान पकड़ा गया व्यक्ति मौके से भाग खड़ा हुआ। इस दौरान हंगामा कर रहे लोगों ने भाजपा पार्षद प्रत्याशी के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

क्या कांग्रेस के लिए 'गेम चैंजर' साबित होगा प्रीपेड मीटर?

चुनाव प्रचार में छाया रहा स्मार्ट मीटर, बैकफुट पर आई भाजपा

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। निकाय चुनाव में शहर की सरकार चुनने के लिए आज जनता ने मतदान करके अपना फैसला सुना दिया है। हालाकि मतदाताओं ने अंतिम समय तक चुप्पी नहीं तोड़ी लेकिन पूरे चुनाव के दौरान कांग्रेस के स्मार्ट मीटर मुद्दे की गूंज हर गली मोहल्ले में सुनाई देती रही। स्मार्ट मीटर ने चुनाव प्रचार के दौरान जहां कांग्रेस को उर्जा देने का काम किया तो वहीं भाजपा के सामने मुश्किलें खड़ी की। चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो कहना अभी मुश्किल है लेकिन सियासी गलियारों में 'स्मार्ट मीटर' की चर्चा जोरों छाई रही। माना जा रहा है कि स्मार्ट मीटर कांग्रेस के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी जहां अपने 15 संकल्पों के साथ जनता से बड़े बड़े वायदे करते नजर आये तो वहीं मोहन खेड़ा ने अपने घोषणा पत्र के नौ वायदो में स्मार्ट मीटर के मुद्दे को प्रमुखता से शामिल किया। शुरूआत में मोहन खेड़ा प्रचार काफी पीछे नजर आ रहे थे लेकिन जैसे जैसे स्मार्ट मीटर का मुद्दा कांग्रेस चुनावी सभाओं में उठाती रही, वैसे वैसे कांग्रेस को मजबूत होती नजर आयी। स्मार्ट मीटर को लेकर जनता में नाराजगी को भांपते हुए कांग्रेस ने इस मुद्दे को सबसे आगे रखा। हालाकि नजूल पर मालिकाना हक,जाम की समस्या, जलभराव की समस्या जैसे कई मुद्दों को भी पार्टी ने अपना अपना हथियार बनाया लेकिन जनता के बीच जो सबसे ज्यादा चर्चा रही वो स्मार्ट मीटर की रही। कांग्रेस ने लोगों को पूरे चुनाव के दौरान यह बताने की कोशिश की कि भाजपा का मेयर बना तो स्मार्ट मीटर लगना तय है। मेयर प्रत्याशी के पोस्टर, होर्डिंग से लेकर हर तरह की प्रचार सामग्री में स्मार्ट मीटर को ही आगे रखा गया। पहले तो भाजपा इस पर सफाई देने से बचती रही जब मुद्दा जब गरमाने लगा तो भाजपा प्रत्याशी और पार्टी के नेता बैक फुट पर आ गये और

इस पर सफाई देनी शुरू की।इसी बीच मीडिया के लोगों ने उस गोदाम का वीडियो वायरल कर दिया जहां स्मार्ट मीटर स्टॉक किये गये हैं, इसके बाद भाजपा की मुश्किलें और बढ़ गयी। पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ ने जब अपनी हर नुक्कड़ सभा में स्मार्ट मीटर हाथ में लेकर जनता को इसकी खामियां गिनानी शुरू की तो भाजपा को जवाब देते नहीं बना। बेहड़ ने तो चुनावी सभाओं में यहां तक ऐलान किया कि कांग्रेस का मेयर बनने के बाद यदि स्मार्ट मीटर लगा तो राजनीति ही छोड़ देंगे। चुनाव प्रचार थमने से एक दिन पहले कांग्रेस की विशाल परिवर्तन यात्रा में भी बेहड़ स्मार्ट मीटर को हाथ में लेकर घूमते दिखाई दिये। चुनाव प्रचार अंतिम दौर में पहुंचते पहुंचते हर गली मोहल्ले तक स्मार्ट मीटर की चर्चा शुरू हो गयी और अंत में भाजपा प्रत्याशी को खुलकर यह कहना पड़ा कि प्रीपेड मीटर किसी भी सूरत में नहीं लगने देंगे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि कोई ऐसा काम नहीं किया जायेगा जिससे शहर की जनता परेशान हो। भाजपा प्रत्याशी की ओर से यह भी सफाई दी गयी कि उन्होंने प्रीपेड मीटर की नहीं बल्कि स्मार्ट मीटर की बात कही थी। उनके अनुसार स्मार्ट मीटर प्रीपेड मीटर से अलग है, इसमें मौजूदा विद्युत मीटर से कुछ अलग फीचर है। चुनाव से एक दिन पहले भाजपा ने स्मार्ट मीटर को लेकर विद्युत विभाग की ओर से भी स्पष्टीकरण जारी करवाया। पावर कारपोरेशन के चीफ इंजीनियर एनएस टोलिया की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया स्मार्ट मीटर को लेकर आम उपभोक्ताओं में विश्वास जगाने के लिए स्मार्ट मीटर को प्रथम चरण में सरकारी कर्मचारियों के घरों, सरकारी संस्थाओं और इंडस्ट्री उपभोक्ताओं में लगाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य यह है कि विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सबसे पहले स्वयं स्मार्ट मीटर की तकनीकी बारीकियों को समझें और उसकी खामियों को सुधारें,जिससे आगे चलकर उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवाएं प्रदान की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रीपेड मीटर नहीं बल्कि पोस्ट पेड मीटर हैं, जिसका बकायदा बिल आएगा। लेकिन यह सफाई आते आते काफी देर हो चुकी थी और चुनाव में कांग्रेस के लिए यह मुद्दा संजीवनी बनता नजर आया। आज मतदान की प्रक्रिया के दौरान भी जगह जगह लोगों की जुबान पर स्मार्ट मीटर ही छाया हुआ था। बहरहाल स्मार्ट मीटर का मुद्दा चुनाव में क्या रंग लायेगा यह तो 25 जनवरी को ही साफ होगा, लेकिन सियासी हलकों में माना जा रहा है कि अगर बड़ा उलट फेर हुआ तो इसके पीछे स्मार्ट मीटर ही मुख्य मुद्दा माना जायेगा।

विकास शर्मा ने बगवाड़ा में पत्नी के साथ किया मतदान

रूद्रपुर। भाजपा मेयर प्रत्याशी विकास शर्मा ने मतदान के दिन की शुरूआत माता पिता से आशीर्वाद लेकर और मंदिर में पूजा अर्चना करके की। इसके बाद वे धर्मपत्नी के साथ मतदान करने निकले। उन्होंने वार्ड 16 वगवाड़ा में मतदान किया उसके बाद विभिन्न वार्डो में पोलिंग बूथों का जायजा लेने के लिए निकले। मेयर प्रत्याशी विकास शर्मा ने मतदान की पूर्व संध्या पर देर रात तक कार्यकर्ताओं के साथ मंत्रणा कर फीड बैक लिया। उन्होंने मतदान दिवस पर अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए कार्यकर्ताओं से जुटने का आहवान भी किया। सुबह उन्होंने माता पिता का आशीर्वाद लेकर दिन की शुरूआत की और उसके बाद मंदिर में पूजा अर्चना करके वोट डालने गए। बाद में कुछ कार्यकर्ताओं के साथ पोलिंग बूथो का जायजा लेने के लिए निकले। इस दौरान विकास शर्मा ने कहा कि जनता का अपार स्नेह और आशीर्वाद उन्हें मिल रहा है। जनता का जो रूझान दिख रहा है उससे निकाय चुनाव में सभी वार्डों में कमल खिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ झूठ और प्रपंच है तो दूसरी तरफ भाजपा की विकास और कल्याणकारी सोच है। जनता झूठ और अफवाह फैलाने वालों को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। इस बार निकाय चुनाव में जनता इतिहास रचेगी। भाजपा रिकार्ड मतों से निगम में हैट्रिक बनायेगी। उन्होंने बूथों पर मतदान के लिए पहुंचे देवतुल्य मतदाताओं का आभार भी व्यक्त किया। कहा कि जनता के आशीर्वाद से रूद्रपुर को स्मार्ट सिटी बनाने का सपना पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में शहर का चहुमुखी विकास होगा और कोई भी ऐसा काम नहीं होगा जो जनभावनाओं के विपरीत हो।

कमिश्नर और डीआईजी ने बूथों का किया निरीक्षण

हल्द्वानी/रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक योगेन्द्र रावत ने जनपद नैनीताल और उधमसिंहनगर के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान ड्यूटि पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। कमिश्नर दीपक रावत एवं डीआईजी योगेन्द्र रावत ने हल्द्वानी व रूद्रपुर में स्थापित कई मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का निरीक्षण किया। साथ ही मतदान करने आये मतदाताओं से भी बात की। उन्होंने मतदान केन्द्रों में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों को आवश्यकत दिशा-निर्देश देते हुये कहा कि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने में कोई कसर न छोड़ी जाये। मतदान करने के लिये आने वाले मतदाताओं के साथ शालीनता के साथ व्यवहार करें। साथ ही उन्हें मतदान प्रक्रिया की जानकारी देकर उनका सहयोग करे।

मतदाता सूची से हजारों लोगों के नाम गायब

रूद्रपुर। निकाय चुनाव के लिय हुए मतदान के दौरान अनेक मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज न होने पर लोगों ने जमकर हंगामा काटा। उनका आरोप था कि वह पूर्व में कई बार चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। परंतु इस बार उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया। ऐसे तमाम लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा जिन बीएलओ को घर घर जाकर मतदाता सूची तैयार करने की जिम्मेवारी दी गई थी उन्होंने सर्वे करने के स्थान पर अपने घरों में ही बैठ कर कुछ लोगों के कहने पर मतदाता सूची तैयार कर ली। जिसका खामियाजा आज हजारों लोगों को तो

भुगतना पड़ ही रहा है। साथ ही चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह नजारा नगर के अधिकांश मतदान केन्द्रों पर देखने को मिला। मतदान केन्द्रों में सूची में नाम न होने के कारण मतदान करने से वंचित मायूस लौट रहे कई मतदाताओं की आंखों से आंसू छलकते भी देखे गये।

मतदान पर्ची के साथ बांट रहे थे चुनाव सामग्री

रूद्रपुर। मतदान के दौरान मतदान केन्द्र के बाहर मतदान करने जाते मतदाताओं को एक पार्टी विशेष के कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाता पर्ची के साथ अपने प्रत्याशी व पार्टी के चुनाव प्रचार की सामग्री नत्थी किये जाने पर विपक्षी दल के लोगों ने जमकर हंगामा किया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम भी मौके पर आ पहुंची और उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को चुनाव आदर्श आचार संहिता का हवाला देते हुए ऐसा न करने की सख्त हिदायत दी। बताया जा रहा है कि ट्रांजिट कैम्प में खजूर वाली गली के बाहर एक पार्टी के लगे कुर्सी मेज पर कार्यकर्ताओं द्वारा मतदान करने जाते मतदाताओं को मतदान पर्ची के साथ अपने प्रत्याशी व पार्टी के चुनाव प्रचार की सामग्री नत्थी कर दी जा रही थी। इसकी भनक लगते ही विपक्षी लोगों ने आपत्ति की तो दोनों पक्षों मध्य तीखी तकरार होने लगी। मामले की जानकारी मिलने पर ट्रांजिट कैम्प थाना पुलिस मौके पर आ गईं और उसने ऐसा कर रहे पार्टी के कार्यकर्ताओं को चुनाव आदर्श आचार संहिता का हवाला देते हुए ऐसा न करने की सख्त हिदायत दी साथ ही सभी चुनाव सामग्री को तत्काल हटा लेने को कहा।

मोहन खेड़ा के भतीजे पर हमला

रूद्रपुर। देर रात रम्पुरा क्षेत्र में कांग्रेस मेयर प्रत्याशी मोहन खेड़ा के भतीजे पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गये उन्हें जिला अस्तपाल भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पर तमाम कांग्रेस जिला अस्पताल पहुंच गये। बाद में पुलिस ने मामला शांत कराया। बताया गया है कि कांग्रेस मेयर प्रत्याशी मोहन खेड़ा का भतीजा विवेक खेड़ा देर रात करीब साढ़े 11 बजे कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए रम्पुरा गया था। आरोप है कि इस बीच भाजपा के कुछ लोगों ने उसे घेर लिया ओर उसके साथ मारपीट की जिसमें वह घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। सूचना पर मोहन खेड़ा समेत तमाम कांग्रेसी जिला अस्पताल पहुंच गये। कांग्रेसियो ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बाद में पुलिस ने पहुंचकर मामला शांत कराया। समाचार लिखने तक मामले में तहरीर नहीं सौंपी गयी थी।

धीमी गति से हो रहे मतदान पर जताई नाराजगी

रामनगर (उद संवाददाता)। निकाय चुनाव को लेकर रामनगर में भी अपने निर्धारित समय पर मतदान का कार्य शुरू किया गया मतदान को लेकर सुबह से ही मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। अपना वोट डालने के लिए लाइनों में खड़े होकर इंतजार करते रहे तो वही रामनगर के कई मतदान स्थलों पर मतदान ड्यूटी में लगे कर्मचारियों द्वारा धीमी गति से मतदान कराए जाने की शिकायत विभिन्न प्रत्याशियों एवं मतदाताओं द्वारा अधिकारियों से की गई धीमी गति से हो रहे मतदान को लेकर कई मतदाता मतदान स्थल से भी वापस होते दिखाई दिए इसके अलावा कुछ मतदान स्थलो पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र तक जाने के लिए व्हीलचेयर उपलब्ध न होने पर विकलांग मतदाताओं ने अपनी शिकायत मतदान स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे चुनाव प्रेक्षक मोहम्मद नासिर के सामने रखी विकलांग मतदाताओं का कहना था कि वह विकलांग होने के साथ ही बुजुर्ग भी है लेकिन ऐसे मतदाताओं के लिए प्रशासन द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिसको लेकर चुनाव प्रेक्षक मोहम्मद नासिर ने बताया कि मतदान में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं इसके अलावा जो विकलांग मतदाताओं की शिकायत है उसकी गंभीरता से लेते हुए रिटर्निंग ऑफिसर राहुल शाह को निर्देश दिए गए हैं।